

पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड- XXXI अंक-12

30 जून, 2026



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हिंदी कक्ष

<https://hindi.iitd.ac.in/>



“मैंने हमेशा कल्पना की है कि स्वर्ग एक पुस्तकालय जैसा होगा।

I have always imagined that Paradise will be a kind of library.”

— जॉर्ज लुईस बोर्हेस | Jorge Luis Borges

मुख्य बिंदु

- क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027: 118वें स्थान के साथ संस्थान भारत में शीर्ष स्थान पर कायम
- आई.आई.टी. दिल्ली कर्मचारी संघ चुनाव-2026
- नियुक्ति

- “राजभाषा कार्यान्वयन: जागरूकता, उत्तरदायित्व व नवाचार” विषयक कार्यशाला का आयोजन
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन
- भारत इनोवेट्स 2026 में संस्थान का प्रभावशाली प्रदर्शन
- सेवानिवृत्ति

क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027: 118वें स्थान के साथ संस्थान भारत में शीर्ष स्थान पर कायम

18 जून, 2026 को घोषित क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 के अनुसार, संस्थान ने वैश्विक स्तर पर 118वाँ स्थान प्राप्त किया है। इस रैंकिंग के साथ, संस्थान ने क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में किसी भारतीय संस्थान द्वारा हासिल सर्वोच्च वैश्विक स्थिति की भी बराबरी कर ली है। विगत चार वर्षों में, संस्थान ने अपनी वैश्विक रैंकिंग में 79 स्थानों का उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। संस्थान की रैंकिंग क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 के 197वें स्थान से बढ़कर वर्तमान में 118वें स्थान पर पहुँच गई है, जो उसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान उपलब्धियों और वैश्विक प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है।

आई.आई.टी. दिल्ली कर्मचारी संघ चुनाव-2026

समन्वय अनुभाग से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD-8502/1/2025-CDN-Part(1)/3740 दिनांक 15.06.2026 के अनुसार संस्थान के कर्मचारी संघ चुनाव-2026 के विजेता सदस्यों का विवरण निम्नानुसार है:

1.	श्री अमित कुमार	प्रधान
2.	श्री आनंद संसनवाल	उप प्रधान
3.	श्री विनीत पांडेय	उप प्रधान
4.	श्री राजीव कुमार दहिया	महासचिव
5.	श्री पंकज कुमार	अतिरिक्त सचिव
6.	श्री मोहित नागर	अतिरिक्त सचिव
7.	श्री रजनीश अग्रवाल	कोषाध्यक्ष

नियुक्ति

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD-74/2026-REGI-SOFFI/3726/2026 दिनांक 15.06.2026 के अनुसार निदेशक महोदय ने निम्नानुसार नियुक्ति की है:

संकाय सदस्य का नाम	छात्रावास	वार्डन/सह वार्डन	कार्यावधि
प्रो. स्नेहाशीष पाणिग्रही (17263)	शिवालिक	सह वार्डन	तत्काल प्रभाव से 14.09.2026 तक
ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग		वार्डन	15.09.2026 से

“राजभाषा कार्यान्वयन: जागरूकता, उत्तरदायित्व व नवाचार” विषयक कार्यशाला का आयोजन

संस्थान के हिंदी कक्ष द्वारा भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में गृह मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा समय-समय पर राजभाषा हिंदी के संबंध में कार्यशाला एवं विचार-विमर्श संगोष्ठी इत्यादि आयोजित करने के लिए जारी निर्देशों का अनुपालन करते हुए 19 जून, 2026 को संस्थान के सीनेट कक्ष में “राजभाषा कार्यान्वयन: जागरूकता, उत्तरदायित्व व नवाचार” विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न प्रशासनिक अनुभागों/इकाइयों के हिंदी नोडल अधिकारियों सहित लगभग 40 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भागीदारी की। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, उप निदेशक (प्रचालन) द्वारा की गई और इस कार्यशाला में श्री अतुल व्यास (कुलसचिव) की भी उपस्थिति रही। अतिथि वक्ता के रूप में श्री कुमार पाल शर्मा, संयुक्त निदेशक - कार्यान्वयन (सेवानिवृत्त) राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय को आमंत्रित किया गया।



कार्यशाला के आरंभ में डॉ. स्वाती ठाकुर, हिंदी अधिकारी ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों, आमंत्रित वक्ता एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने अतिथि वक्ता का परिचय सबके साथ साझा करते हुए यह विश्वास ज़ाहिर किया कि यह कार्यशाला हम सभी को कार्यक्षेत्र में राजभाषा के प्रभावी प्रयोग और भाषा के संदर्भ में नागरिक ज़िम्मेदारी के निर्वहन हेतु नई ऊर्जा और नई दृष्टि प्रदान करेगी। इसके उपरांत डॉ. नीरज चौरसिया ने प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, उप निदेशक (प्रचालन) और डॉ. स्वाती ठाकुर ने श्री अतुल व्यास (कुलसचिव) का स्वागत किया। इसके उपरांत, प्रो. अरविन्द कुमार नेमा एवं श्री अतुल व्यास ने संस्थान की ओर से अतिथि वक्ता श्री कुमार पाल शर्मा का स्वागत किया।

कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिंदी कक्ष) ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के प्रति प्रोत्साहित करना तथा मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करना है। इस कार्यशाला का एक उद्देश्य पिछले कुछ वर्षों में संस्थान द्वारा नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को

भी राजभाषा नीति संबंधी प्रावधानों व संघ की राजभाषा नीति से अवगत कराना है क्योंकि हिंदी में कार्य करना हमारा प्रशासनिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि आज की कार्यशाला में हम तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा संविधान में राजभाषा की स्थिति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, (उप निदेशक-प्रचालन), श्री अतुल व्यास (कुलसचिव) और श्री कुमार पाल शर्मा (अतिथि वक्ता) के प्रति कार्यशाला हेतु अपना बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

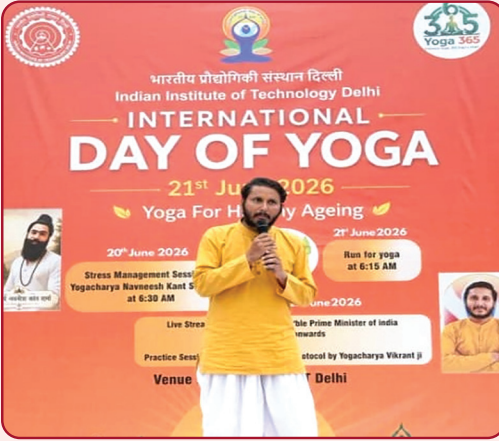
कुलसचिव श्री अतुल व्यास ने अपने संबोधन में कार्यशाला के आयोजन के लिए हिंदी कक्ष की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि इस कार्यशाला के अतिथि वक्ता श्री कुमार पाल शर्मा का लम्बा अनुभव, विषय पर पकड़ एवं सम्प्रेषण शैली प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी रहेगी।

कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो. अरविन्द कुमार नेमा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन के प्रारंभ में श्री कुमार पाल शर्मा, संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन) (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) का स्वागत करते हुए कहा कि श्री शर्मा की उपस्थिति हमारे लिए गर्व का विषय है। आप पिछले लगभग 30 वर्षों से

राजभाषा से जुड़े हुए हैं तथा इस क्षेत्र में आपका ज्ञान अपार है। संस्थान राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम लक्ष्यों को प्राप्त करने में सदैव प्रयासरत रहता है। प्रत्येक तिमाही में इसकी समीक्षा भी की जाती है। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि “आज की कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को अपने दैनिक प्रशासनिक कार्यों के प्रयोग में अवश्य लाएं और कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों से आशा है कि वे अपने साथ-साथ सहकर्मियों को भी हिंदी में कार्य के लिए प्रोत्साहित करेंगे”।

श्री कुमार पाल शर्मा ने अनौपचारिक माहौल बनाते हुए बहुत ही सरल, सहज तरीके से राजभाषा के विविध प्रावधानों, संविधान के राजभाषा अनुच्छेद 120, 210 तथा 343 से 351 तक, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976, राजभाषा नीति, राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट के प्रत्येक बिन्दु पर चर्चा की। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं मनोयोग से श्री कुमार पाल शर्मा को सुना तथा अपने प्रश्न पूछकर समस्याओं का निवारण भी किया। कार्यशाला का संयोजन श्रीमती इंद्रमणि, उप तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन



संस्थान में 20 एवं 21 जून, 2026 को “अंतरराष्ट्रीय योग दिवस - 2026” का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम “स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग” (Yoga for Healthy Ageing) थी।

इस अवसर पर, दिनांक 20 जून, 2026 को मित्तल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के हॉकी मैदान में एक तनाव प्रबंधन सत्र आयोजित किया गया, जिसे योगाचार्य नवनीश कांत शर्मा द्वारा संचालित किया गया। तत्पश्चात, दिनांक 21 जून को ‘योग संगम’ के अंतर्गत कोलकाता से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया; तदुपरांत, योगाचार्य विक्रान्त तथा योगिनियों निकिता, मीनाक्षी एवं गीता के निर्देशन में सामान्य योग प्रोटोकॉल (CYP) के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग को अपनाने का संकल्प लिया।

भारत इनोवेट्स 2026 में संस्थान का प्रभावशाली प्रदर्शन

संस्थान ने 14-16 जून, 2026 तक नीस (Nice) शहर, फ्रांस में आयोजित भारत सरकार की प्रमुख राष्ट्रीय नवाचार पहल ‘भारत इनोवेट्स 2026’ में अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और वैश्विक सहभागिता के क्षेत्र में अपने नेतृत्व का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

उद्घाटन समारोह तथा प्रदर्शनी के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा संस्थान की वैश्विक साझेदारियों के महत्त्व को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। राष्ट्रपति मैक्रों ने संस्थान और सोरबोन यूनिवर्सिटी के बीच चल रही साझेदारी को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में बढ़ते भारत-फ्रांस सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया। फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा इस साझेदारी को मिली यह मान्यता प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय सहयोगों को बढ़ावा देने और वैज्ञानिक कूटनीति को आगे बढ़ाने में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

इस अवसर पर प्रो. रंगन बनर्जी, निदेशक ने कहा, “भारत इनोवेट्स 2026 वैश्विक स्तर पर



भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम मानते हैं कि फ्रांसीसी विश्वविद्यालयों के साथ हमारे शोध और नवाचार सहयोग में महत्वपूर्ण तालमेल है, और हम मिलकर भारत, फ्रांस और उससे आगे की समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार और सह-निर्माण कर सकते हैं। आई.आई.टी. दिल्ली का सोरबोन विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance) के साथ सहयोग तथा अनेक समझौता ज्ञापनों के माध्यम से स्थापित नई साझेदारियाँ, मजबूत और दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय सहयोगों के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। ये सहभागिताएँ अनुसंधान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को गति देंगी, हमारे नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेंगी और ऐसे समाधान तैयार करने में मदद करेंगी जो वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकें।”

सेवानिवृत्ति

संस्थान के निम्नलिखित संकाय/स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 30 जून, 2026 को संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं:

प्रो. रवीन्द्र कुमार वाष्ण्य, भौतिकी विभाग



प्रो. रवीन्द्र कुमार वाष्ण्य ने 5 सितंबर, 1988 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के भौतिकी विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II के

रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्हें 1 अगस्त, 1997 को वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I, 24 जनवरी, 2005 को प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, 3 दिसंबर, 2010 को सह प्रोफेसर तथा 9 जून, 2014 को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया। 1 जुलाई, 2024 से वे प्रोफेसर (HAG) के पद पर कार्यरत हैं।

प्रो. वाष्ण्य ने वर्ष 1981 में आगरा विश्वविद्यालय से भौतिकी में एम.एससी. तथा वर्ष 1987 में आई.आई.टी. दिल्ली से फाइबर एवं समाकलित ऑप्टिक्स के क्षेत्र में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1985-1986 के दौरान उन्होंने अमेरिका के फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, गेन्सविल के विद्युत एवं कंप्यूटर इंजीनियरी विभाग में फुलब्राइट फेलो के रूप में कार्य किया। इसके पश्चात वर्ष 1990-1991 में उन्होंने विज़िटिंग साइंटिस्ट के तौर पर यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रैथक्लाइड, ग्लासगो, UK के इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरी विभाग में काम किया। वर्ष 1994-1995 में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ़ ट्रेंट, एन्स्चेडे, नीदरलैंड्स स्थित मेसार्सर्च इंस्टीट्यूट में यूरोपियन कम्युनिटीज़ कमीशन द्वारा प्रदत्त मैरी क्यूरी फेलोशिप के अंतर्गत शोध कार्य किया। उन्होंने वर्ष 2006 से 2009 तक अल्पावधि के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ़ नीस, फ्रांस में तथा वर्ष 2008 में यूनिवर्सिटी जीन मोने, फ्रांस में विज़िटिंग साइंटिस्ट के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक शोध

परियोजनाओं के अंतर्गत उन्होंने वर्ष 2008, 2010, 2012, 2014 और 2015 में यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथैम्प्टन, हेरियट-वॉट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रैथक्लाइड तथा सिटी यूनिवर्सिटी, लंदन का भी अल्पकालिक शैक्षणिक एवं शोध भ्रमण किया।

प्रो. वाष्ण्य ने फाइबर एवं इंटीग्रेटेड ऑप्टिक्स, गाइडेड-वेव ऑप्टिकल सेंसर, सिलिकॉन फोटोनिक्स तथा टेराहर्ट्ज़ ऑप्टिक्स के व्यापक क्षेत्रों में उल्लेखनीय शोध कार्य किया है। उन्होंने प्रमुख अन्वेषक (PI) तथा सह-प्रमुख अन्वेषक (Co-PI) के रूप में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस के साथ चार दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अनेक प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास (R&D) परियोजनाओं तथा परामर्श कार्यों का भी सफलतापूर्वक संचालन किया है। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं एवं सम्मेलनों में उनके लगभग 215 शोध-पत्र तथा राष्ट्रीय सम्मेलनों में लगभग 70 शोध-पत्र प्रकाशित हैं। उनके एक शोध-पत्र को भारतीय प्रयोगशाला से उत्पन्न सर्वश्रेष्ठ उपकरण-उन्मुख शोध-पत्र के लिए वर्ष 2004 का प्रथम 'फोटोनिक्स-2004 एंडोमेंट पुरस्कार' प्रदान किया गया। दो पुस्तकों, 6 बुक-चैप्टर्स, एक अमेरिकी पेटेंट तथा दो भारतीय पेटेंट (स्वीकृत) के सह-लेखन के अतिरिक्त, उनके तीन भारतीय पेटेंट वर्तमान में समीक्षाधीन हैं।

प्रो. रवीन्द्र कुमार वाष्ण्य अपने संकाय सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रहे हैं।

श्री मुन्ना लाल (26167), उप तकनीकी अधिकारी, रसायन विज्ञान विभाग



श्री मुन्ना लाल ने 06 सितंबर, 1989 को संस्थान में वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था।

01 अक्टूबर, 1994 को आर. एंड सी.डी.एस. के अन्तर्गत उन्हें वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (एस.जी.) के रूप में चयनित किया गया। 26 नवम्बर, 1998 को उन्हें तकनीकी सहायक के रूप में नियुक्त किया गया। 19 सितम्बर, 2007 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत उन्हें कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक के रूप में पुनः पदनामित किया गया। 01 दिसम्बर, 2008 को एम.ए.सी. पी. के अन्तर्गत ग्रेड वेतन 4600/- में तथा 26 नवम्बर, 2018 को इसी योजना के अन्तर्गत लेवल-8 में उन्नयन दिया गया। 08 दिसम्बर, 2022 को डी.पी.सी. के अन्तर्गत उन्हें तकनीकी अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया और 22 दिसम्बर, 2022 को आर.पी.आर.एस. के अन्तर्गत उप तकनीकी अधिकारी के रूप में पुनः पदनामित किया गया। श्री मुन्ना लाल एक मेहनती एवं कर्मठ उप तकनीकी अधिकारी रहे हैं।

श्री सूरज भान (50193), परिचर, कंप्यूटर सेवा केन्द्र



श्री सूरज भान ने 18 अगस्त, 1987 को संस्थान में ग्रुप 'डी' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 सितम्बर, 1992 को उन्हें 2650-4000/- के

उच्च वेतन में नियुक्त किया गया। 01 सितम्बर, 2002 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत उन्हें 3050-4590/- के वेतनमान में तथा 01 सितम्बर, 2012 को इसी योजना के अन्तर्गत ग्रेड वेतन 2000/- में उन्नयन दिया गया। 18 अगस्त, 2017 को आर. एंड आर.पी.एस. के अन्तर्गत उन्हें लेवल - 4 में उन्नयन दिया गया। श्री सूरज भान एक मिलनसार एवं कर्मठ परिचर रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय/स्टाफ सदस्यों को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार की आगामी जीवन-यात्रा के लिए शुभेच्छाएँ व्यक्त करता है।